# कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अप्रेल ,2025, अंक 12

## श्रम न्यूनीकरण यंत्रों के महत्व एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 4 से 7 मार्च 2025 को महिलाओं हेतु ''श्रम न्यूनीकरण यंत्रों का महत्व एवं उपयोग'' विषय पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसान महिलाओं को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग उपयोग की दक्षता प्रदान करना एवं श्रम को कम करने में सहायता प्रदान करना था । प्रशिक्षण के दौरान डॉ. रमन जोधा द्वारा कम लागत एवं पर्यावरण अनुकूल श्रम न्यूनीकरण यंत्रों ( थ्री टाईन वीडर, नवीन सीकल, सीड ड्रिल, रिवोल्विंग स्टूल, स्प्रेयर, कोट–बेग आदि ) के प्रयोग की विधि समझाई साथ ही महिलाओं में इन यंत्रों के उपयोग से स्वास्थय पर पडने वाले प्रभावों एवं कार्यक्षमता तथा श्रम बचत इत्यादि पहलूओं पर चर्चा की गई ।

## सरसों फसल के प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

दिनांक 5 मार्च 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) अन्तर्गत प्रायोजित कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से तिलहन उत्पादन को बढाने हेतु सरसों किस्म सी.एस.–60 का गांव गेडाप तहसील सुजानगढ में आयोजित प्रदर्शनों के परिणामों से अन्य कृषकों को अवगत कराने हेतु प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 52 प्रगतिशील कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । प्रक्षैत्र दिवस पर उपस्थित कृषकों को आह्वान किया कि वे स्वंय के अनुभवों को गांव के अन्य कृषकों के मध्य विस्तारित करें एवं एकीकृत फसल उत्पादन विधियों को अपनाकर सरसों की अधिकतम पैदावार लेते हुए अपनी आय को बढाने हेतु उत्पादित सरसों को आगामी बुवाई हेतु बीज के रूप में काम लेवें । सस्य वैज्ञानिक श्री हरीश कुमार ने कृषकों को सरसों बीज भंडारण की वैज्ञानिक विधियों की भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

## पशु स्वास्थय शिविर का आयोजन

दिनांक 7 मार्च 2025 को गांव बरलाजसर तहसील सरदारशहर में अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत पशुओं के डीवर्मिंग व पशु बांझपन प्रबंधन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 57 पशुपालकों व 19 पशुपालक महिलाओं ने भाग लिया । जिसमें 570 पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाई गई व 38 गाय–भैंसों को बांझपन निवारण हेतु फीड–सप्लीमेंट उपलब्ध करवाया गया । कार्यक्रम के दौरान आंतरिक वं बाह्य परजीवी की रोकथाम तथा इनके पशुओं पर होने वाले कुप्रभावों के बारे में पशुपालकों को अवगत करवाया गया ।

## रबी फसलों में सिंचाई प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 10 से 11 मार्च 2025 को अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत दो दिवसीय रबी फसलों में सिंचाई प्रबंधन विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन केवीके सभागार में किया गया, जिसमें गांव पुनुसर व बरलाजसर गांव के 27 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने रबी फसलों में (गेहूँ, जौ, सरसों, ईसबगोल, मैथी इत्यादि) सिंचाई प्रबंधन के लिए सही समय, अवस्था और सही मात्रा में पानी देने हेतु प्रशिक्षित किया साथ ही बताया कि फसल की अवस्था, पानी की उपलब्धता और मौसम की जानकारी के आधार पर ही सिंचाई की योजना बनानी चाहिये ।

## वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा "कम्पोस्ट, **FYM** तथा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन एवं प्रयोग" विषय पर दिनांक 10 से 11 मार्च 2025 को दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण में गांव बरलाजसर, उडसर, भोजूसर एवं पूलासर की 18 कृषक महिलाओं एवं 5 कृषकों ने भाग लिया । कृषि अपशिष्ठ प्रबंधन में कम्पोस्ट, वमीकम्पोस्ट तथा **FYM** एक महतवपूर्ण घटक है, जिनके उचित एवं संतुलित उपयोग से मृदा सरंचना, वायु संचार तथा जल धारण क्षमता में सुधार के साथ–साथ विभिन्न मित्र सूक्ष्म जीवाणु सक्रिय होते है जो कि मृदा में हयूमस तथा नमी को बढावा देते है । इसी सदर्भ में प्रशिक्षण दौरान किसानों को गाय के गोबर तथा कृषि अपशिष्ट के उपयोग हेतु वर्मीकम्पोस्ट बनाने की विधि को विस्तारपूर्वक समझाया गया । कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने सब्जियों, फलदार पौधों तथा मौसमी फसलों में कम्पोस्ट **FYM** तथा वर्मीकम्पोस्ट उचित मात्रा में उपयोग करने हेतु प्रशिक्षित किया ।

## किसानों हेतु नेपियर घास प्रदर्शनों का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनांक 11 मार्च 2025 को अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत नेपियर घास किस्म **CO-4** के प्रदर्शन ग्राम बरलाजसर एवं उडसर के 20 किसान एवं किसान महिलाओं को उपलब्ध करवाये गये । प्रदर्शन में किसानों को नेपियर कटिंग्स एवं वर्मीकम्पोस्ट उपलब्ध करवाकर बीज उपचार, बुवाई विधि, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन के बारे में भी बताया गया ।

## पशुपालकों के भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 11 मार्च 2025 को अनुसूचित जाति उपयोजना अन्तर्गत सरदारशहर ब्लाक के मेहरी, उडसर लोडेरा, भोलूसर, बरडासर व रतनगढ ब्लाक के हुडेरा के 36 पशुपालाको को आय बढाने के आयामों को देखते हुए भेड प्रजनन फार्म फतेहपुर–सीकर व केन्द्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान केन्द्र, अविकानगर टोंक में विभिन्न आय सवंर्धन इकाईयों का भ्रमण कराया गया । भ्रमण के दौरान भेड की दुम्बा इकाई, खरगोश पालन इकाई, सिरोही बकरी इकाई, हर्बल गार्डन आदि की जानकारी प्राप्त की, साथ ही किसानों ने ऊन

से बनने वाले उत्पादों के बारे में भी वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की । इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षैत्र में बकरी एवं भेड की नई किस्मों को लाकर पालन कर किसान को आय सजृन गतिविधियों से जोडना था ।

## बकरीपालन से स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 15 से 19 मार्च, 20 से 21 मार्च तथा 23–24 मार्च 2025 तक 3 प्रशिक्षणों का आयोजन '' बकरीपालन एवं आहार प्रबंधन विषय'' पर किया गया जिसमें कुल 128 पशुपालक एवं पशुपालक महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण का आयोजन केन्द्र के सभागार में हुआ एवं प्रायोगिक कार्य फील्ड स्तर पर किया गया । प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण संयोजक श्री श्याम बिहारी, पशुपालन विशेषज्ञ ने बकिरियों की नस्ल, उनकी आवास व्यवस्था, अधिक उत्पादन हेतु पोषण प्रबंधन, प्रजनक बकरों आदि के बारे में जानकारी दी । प्रशिक्षण दौरान डॉ. केसरी चंद नाई, वरिष्ठ पशु चिकित्सक, सरदारशहर द्वारा बकरियों में होने वाली प्रमुख बीमारियों जैसेः– फिडकिया, पॉक्स, निमोनिया, पीपीआर, दस्त, आफरा, बुखार के लक्षण व रोकथाम के बारे में पशुपालकों से विस्तृत चर्चा की गई । प्रशिक्षण अन्तर्गत केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने पशुपालकों को नेशनल लाइव स्टॉक मिशन योजना से संबंधित जानकारी दी तथा सभी पशुपालकों से अधिकाधिक पंजीकरण करवाकर लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया ।

## रबी सब्जियों में रश चूसक कीटों का प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

केन्द्र पर दिनांक 21 व 22 मार्च 2025 को रबी सब्जियों में रस चूसक कीटों के प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 20 प्रतिभागियों ने रस चूसक कीट जैसे सफेद मक्खी, एफिडस आदि कीटों की पहचान, उनसे होने वाले नुकसान एवं प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की । केन्द्र के पौध सरंक्षण विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा द्वारा रस चूसक कीटों के प्रबंधन के लिए जैविक नियंत्रकों का प्रयोग (नीमास्त्र, ब्रहमास्त्र, नीम आईल) आदि का उपयुक्त समय पर प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

## बाजरा प्रसंस्करण एवं मूल्य सवंर्धन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र सभागार कक्ष में दिनांक 21 से 22 मार्च 2025 को ग्रामीण युवतियों एवं कृषक महिलाओं हेतु बाजरे के विभिन्न पोष्टिक उत्पादों के उपयोग को बढाने के उद्देश्य से दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण अन्तर्गत मिलेट प्रोसेसिंग इकाई का भ्रमण करवाकर सभी प्रशिक्षणार्थियों को बाजरे के विभिन्न उत्पाद ( बाजरे के बिस्किट एवं बाजरे के शकरपारे, लड्डू ) आदि बनाना सिखाए । प्रशिक्षण दौरान महिलाओं को बाजरे के पोषक मान मूल्यों तथा बाजरे को खाने से उचित स्वास्थय प्रबंधन, एनिमिया प्रबंधन आदि विषयों के बारे में अवगत कराया गया साथ ही बाजरे की देशी किस्मों को सरंक्षित कर उनके उचित प्रबंधन के बारे में भी किसान महिलाओं को प्रोत्साहित किया ।

## बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकी विषय पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण

ग्लोबल सीओई अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत बाजरा उत्पादन को बढाने हेतु बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकी के अन्तर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 24 से 25 मार्च 2025 को किया गया जिसमें 30 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप कम समय एवं बारानी में पकने वाली उच्च उत्पादन देने के साथ उच्च पोषक मूल्य वाली किस्मों के चयन, बुवाई से पूर्व बीज उपचार, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन ,खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।

## बकरियों की प्रजनन क्षमता बढाने के लिए दाना–मिश्रण प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा दिनांक 24 मार्च, 2025 को अनुसूचित उप–योजना अन्तर्गत गांव उडसर, बरलाजसर में बकरीपालकों के यहॉ बकरियों की प्रजनन क्षमता बढाने के लिए दाना मिश्रण (खल, चूरी, चापड, जौ, बाजरा, खनिज लवण व नमक) के 100 प्रदर्शन लगाये गये, जिसमें 87 महिला पशुपालक व 13 पशुपालाको ने भाग लिया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इन प्रदर्शनों के माध्यम से पशुपालकों को बकरियों हेतु उचित आहार प्रबंधन के पहलुओं का प्रयोग कर उत्पाकदता एवं प्रजनन क्षमता बढाना था ।

## बाजरा जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 25 मार्च 2025 को ग्लोबल सीओई अनुसूचित जाति उप–योजना के अंतर्गत ''बाजरे की उत्पादन तकनीक एवं उसके मूल्य सवंर्धन'' विषय पर जागरूकता अभियान का आयोजन ग्राम बरलाजसर तहसील सरदारशहर में किया गया, जिसमें कुल 110 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चूरू क्षैत्र के वातावरण के अनुकूल बाजरे की उन्नत किस्मों को उगाना एवं उनका उपयोग करके बाजरे की खेती को बढावा देना था । केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा सभी कृषकों को सलाह दी गई कि चूरू जिले की क्षैत्रीय जलवायु अनुरूप नई किस्म जैसे **MPMH-17 & MPMH-19** लोह एवं जस्ता युक्त होने के साथ प्रोटीन युक्त है जो मानव स्वास्थय को अत्यधिक लाभ प्रदान करती है । सभी विशेषज्ञों द्वारा बाजरे की पोष्टिकता से संबंधित विषयों के बारे में किसानों को अवगत कराया गया तथा बाजरे के मूल्य सवंर्धन तथा प्रसंस्करण को अपनाकर विभिन्न प्रकार के बाजरे के उत्पाद जैसे कि बाजरे के बिस्किट, केक, कुरकुरे तथा बाजरे के लड्डू का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया तथा प्रतिदिन भोजन में बाजरे को शामिल करने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी तथा डॉ. रमन जोधा ने किसानों को बाजरे के मूल्य संवर्धन तकनीक के बारे में अवगत कराया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित कृषकों से संबंधित गतिविधियों के बारे में सूचना प्रदान की गई ।

## कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 26 मार्च 2025 को गलोबल सीओई अनुसूचित जाति उप–योजना के अंतर्गत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा आयोजित किसान मेले में सरदारशहर तहसील के 107 किसानों एवं किसान महिलाओं का भ्रमण करवाया गया । इस कार्यक्रम में ग्राम बरलाजसर, उडसर, सरदारशहर की महिलाएं एवं पुरूष शामिल हुए । कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में चल रहे किसान मेले में लग रही विभिन्न प्रकार की कृषि प्रदर्शनी एवं सामुदायिक महाविधालय में स्थापित बाजरे की मूल्य सवंर्धन इकाई का भ्रमण किया गया ।

## कद्दूवर्गीय सब्जियों में उचित पोषक तत्व प्रबंधन एवं नवीन तकनीकों हेतु प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 6 से 7 मार्च 2025 को जलवायु समुत्थानशील कृषि में राष्ट्रीय नवाचार (NICRA) परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय कद्दूवर्गीय सब्जियों के उत्पादन की उन्नत नवीन तकनीक विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 25 से अधिक किसानों ने भाग लिया । केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत द्वारा जिले में उगाई जा रही विभिन्न कद्दू वर्गीय सब्जियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कद्दूवर्गीय सब्जियों को मानव आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है और पोषण की दृष्टि से यह बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें आवश्यक विटामीन, खनिज तत्व पर्याप्त मात्रा में पाये जाते है जो हमें स्वस्थ रखने में सहायक सिद्व होते है । इसके अतिरिक्त अधिक मुनाफा कमाने के लिए कद्दू वर्गीय सब्जियों की अगेती बिजाई, जलवायु के अनुरूप किस्म, बीज उपचार की विधि मृदा स्वास्थय तथा खेत की तैयारी के समय आवश्यक पोषक तत्व, कद्दुवर्गीय फसलों में कांट छांट तकनीक का प्रयोग करने की विधि बताई गई । इसी क्रम में अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत दिनांक 25 से 26 मार्च 2025 को दो दिवसीय कद्दूवर्गीय सब्जियों में पोषक प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 20 किसान एवं किसान महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र के वैज्ञानिक श्री अजय कुमावत ने बताया कि कद्दूवर्गीय सब्जियॉ आमदनी का स्रोत बन सकती है । इन फसलों की अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए सही उर्वरक प्रबंधन का अधिक महत्व होता है । उर्वरक न केवल पौधों की वृद्वि और विकास में सहायक होते है, बल्कि इससे फलों की गुणवता और मात्रा में भी सुधार होता है । कद्दू की फसल में उर्वरक प्रबंधन की उचित विधि अपनाकर किसान न केवल उत्पादन को बढा सकते है, बल्कि भूमि की उर्वरता को भी बनाए रख सकते है, साथ ही कद्दू की फसल में पोषक तत्वों की कमी से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत करते हुए कहा कि पोषक तत्व के उचित प्रबंधन ना होने से उपज में कमी, फसल की गुणवता में कमी, कीटों एवं रोगों के प्रति संवदेनशीलता, फसल की कटाई में देर, मिट्टी की उपजाऊ क्षमता में कमी आदि पर विपरित प्रभाव देखे जा सकते है । केन्द्र के वैज्ञानिक श्री हरीश कुमार रछौया ने कद्दू वर्गीय फसलों में उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी की जांच के उपरान्त ही करने की सिफारिश की ।

**संकलनकर्ता**

श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ )
श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)
श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ )
श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ )
श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)

**संपादक**

डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान )

Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो
Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट

**प्रकाशक**

डॉ. वी. के. सैनी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र,
सरदारशहर,चूरू–I